# न्यायालय जिला मजिस्ट्रेट, बाड़मेर

पीठासीन अधिकारी : लोक बंधु, आई0ए0एस0

विविध प्रकरण सं.98/2022

**प्रार्थी–**
एस आर जी हाउसिंग लि.,
321, एस एम लोढा कॉम्प्लेक्स
शास्त्री सर्कल, उदयपुर

***बनाम***

**अप्रार्थीगण –**
1. मोहन सिंह पुत्र गजे सिंह पता 8 केलन कोट, साथुनी चारणान तहसील पचपदरा जिला बाड़मेर
2. चुका कंवर पत्नी मोहन सिंह पता केलन कोट, सिमरखिया पुराहितान जिला बाड़मेर
3. सांगा राम पुत्र राणा राम पता ग्राम साथुनी चारणान सिमरखिया पुरोहितान तहसील पचपदरा जिला बाड़मेर
4. हुकमा राम पुत्र इंद्र राम पता 15, हिम्मत नगर एम. आर. स्कूल रोड, सांगरिया फांटा जिला जोधपुर

**प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 14 वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन और प्रतिभूति हित प्रवर्त्तन अधिनियम, 2002**

उपस्थिति :–
1. श्री शैतानसिंह राठौड़, अधिवक्ता प्रार्थी की ओर से उपस्थित।

## आदेश

दिनांक : 04.07.2022

1. प्रार्थी की ओर से यह प्रार्थना–पत्र अन्तर्गत धारा 14 वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन और प्रतिभूति हित प्रवर्त्तन अधिनियम, 2002 के तहत अप्रार्थीगण मोहन सिंह व अन्य के विरूद्ध पेश किया गया।

2. प्रस्तुत प्रार्थना–पत्र के संक्षिप्त तथ्य है कि प्रार्थी बैंक/वित्तीय कम्पनी के द्वारा अप्रार्थीगण मोहन सिंह व अन्य की प्रार्थना एवं व्यक्तिगत जमानत पर प्रतिभूतियों के एवज में कुल 5,00,000/– रूपये का ऋण स्वीकृत किया गया था। अप्रार्थी(गण) ने प्रार्थी बैंक द्वारा जारी ऋण स्वीकृति

Signature Not Verified
Digitally signed by Lok Bandhu
Date: 2022.09.22 16:20:14 IST
Reason: SelfAttested

जिला मजिस्ट्रेट, बाडमेर

न्यायालय जिला मजिस्ट्रेट बाड़मेर (राज.)

की सभी शर्तों को स्वीकार किया एवं प्राप्त की गई ऋण सुविधा की राशि एवं उस पर देय ब्याज वापिस मांगने पर भुगतान करना स्वीकार किया। अप्रार्थी(गण) सं. 1 से 2 द्वारा स्वीकृत ऋण सुविधाओं का उत्तरदायित्व स्वीकार किया तथा प्रतिभूति के रूप में सम्पत्ति यथा मोहनसिंह के स्वामित्व की सम्पत्ति का आवासीय प्लॉट जिसमें भूमि, भवन व ढांचा शामिल है अवस्थित पट्टा संख्या 001 बुक संख्या 263 दिनांक 05.05.2017 ग्राम केलन कोट ग्राम पंचायत सिमरखिया तहसील पचपदरा जिला बाड़मेर बनाप 1800 वर्गफीट को प्रार्थी बैंक के पक्ष में बन्धक द्वारा रहन रखना स्वीकार किया एवं दिनांक 08.03.2018 को साम्यिक बन्धक रहन किया। अप्रार्थी(गण) द्वारा नियमित रूप से प्रार्थी बैंक/कम्पनी को ऋण का भुगतान करने में असफल रहने पर प्रार्थी द्वारा दिनांक 06.04.2019 तक बकाया शेष रूपये 20,54,640/– भुगतान नहीं करने पर अप्रार्थी(गण) का खाता एनपीए घोषित कर ऋण राशि मय ब्याज के अदा करने हेतु उक्त अधिनियम की धारा 13(2) के अन्तर्गत अप्रार्थी(गण) के नाम से पंजीकृत पावती डाक द्वारा नोटिस जारी कर प्रार्थी बैंक के पक्ष में अप्रार्थी(गण) के द्वारा बतौर प्रतिभूति रहन रखी गई उक्त प्रतिभू सम्पत्ति अप्रार्थीगण के कब्जे व स्वामित्व में है इस कारण प्रार्थी बैंक द्वारा प्रतिभूत आस्ति को कब्जे में लेना सम्भव नही है, जिसका कब्जा प्रार्थी बैंक को सम्भलाने हेतु यह प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है।

3. हमने पत्रावली का अवलोकन किया तथा प्रार्थी पक्ष को सुना। प्रार्थी बैंक/वित्तीय कम्पनी द्वारा अप्रार्थी(गण) को राशि रूपये 15,00,000/– ऋण सुविधा प्रदान की है तथा अप्रार्थी(गण) बतौर प्रतिभूति उक्त सम्पत्ति प्रार्थी के पक्ष मे रहन रखी है एवं अप्रार्थी(गण) से दिनांक 06.04.2019 तक कुल 20,54,640/– बकाया वसूल किये जाने है। अप्रार्थी(गण) को पंजीकृत पावती डाक द्वारा नोटिस जारी करवाकर समुचित रूप से संसूचित किया जा चुका है। *सुनन्दा कुमारी श्रीमती बनाम स्टेण्डर्ड चार्टड बैंक, 2007 (135) कम्प.केस. 604 (कर्नाटक)* के प्रकरण में जैसाकि निर्धारित किया गया हैं कि यदि धारा 13(2) का नोटिस पूर्व में दिया जा चुका हैं तो ऋणी को

न्यायालय जिला मजिस्ट्रेट बाड़मेर (राज.)

जिला मजिस्ट्रेट, बाडमेर

Signature Not Verified
Digitally signed by Lok Bandhu
Date: 2022.09.22 16:20:14 IST
Reason: SelfAttested

मजिस्ट्रेट की ओर से धारा 14 के अधीन प्रार्थना पत्र का पृथक से नोटिस जारी किये जाने की आवश्यकता नहीं है। हस्तगत प्रकरण में प्रार्थी की ओर से धारा 13(2) को नोटिस विधिवत रूप से अप्रार्थी(गण) को संसूचित किया गया है, इसके पश्चात भी अप्रार्थी(गण) द्वारा बकाया राशि का भुगतान नहीं किया है। ऐसे में वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 की धारा 14 मे विहित प्रावधानों के अन्तर्गत उक्त रहन रखी गई आस्तियों को प्रार्थी बैंक के कब्जे मे दिलाये जाने का समुचित आधार मौजूद है।

4. अतः उपर्युक्त तथ्यों एवं परिस्थितियों पर विवेचन एवं विश्लेषण के परिणामस्वरूप प्रार्थी का यह प्रार्थना–पत्र स्वीकार किया जाकर अप्रार्थी(गण) 1 से 2 द्वारा प्रार्थी बैंक/वित्तीय कम्पनी के पक्ष में प्रतिभूति के रूप में रखी गई उक्त सम्पत्ति ''मोहनसिंह के स्वामित्व की सम्पत्ति का आवासीय प्लॉट जिसमें भूमि, भवन व ढांचा शामिल है अवस्थित पट्टा संख्या 001 बुक संख्या 263 दिनांक 05.05.2017 ग्राम केलन कोट ग्राम पंचायत सिमरखिया तहसील पचपदरा जिला बाड़मेर बनाप 1800 वर्गफीट'' का कब्जा अप्रार्थीगण से प्राप्त कर प्रार्थी को सम्भलाये जाने हेतु जिला पुलिस अधीक्षक बाड़मेर को आदेश दिया जाता है। इस आदेश की एक–एक प्रति जिला पुलिस अधीक्षक, बाड़मेर एवं प्रार्थी बैंक/वित्तीय कम्पनी को आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित हो।

5. आदेश आज दिनांक 04.07.2022 को खुले न्यायालय में सुनाया गया।

न्यायालय जिला मजिस्ट्रेट बाड़मेर (राज.)

(लोक बंधु)
जिला मजिस्ट्रेट, बाड़मेर

जिला मजिस्ट्रेट, बाडमेर

Signature Not Verified

Digitally signed by Lok Bandhu
Date: 2022.09.22 16:20:14 IST
Reason: SelfAttested